विद्यमान राष्ट्रीय जलमार्गों को पूरी तरह कार्यकारी बनाने के लिए कार्य योजना

मार्च 2008 तक प्रथम तीन राष्ट्रीय जलमार्गों को पूरी तरह कार्यकारी बनाने के लिए वर्ष 2006–07 के दौरान एक कार्ययोजना तैयार की गई थी। इस कार्ययोजना के तहत फेयरवे के विकास, 24 घंटे नौचालन सहायता, यांत्रिक हैंडलिंग सुविधाओं के साथ स्थायी और फ्लोटिंग टर्मिनलों का न्यायोचित संयोग और सड़क/रेल से सम्पर्क, फेयरवे (जैसे ड्रेजर, सर्वे लांच इत्यादि) के विकास और अनुरक्षण हेतु जलयानों की अधिप्राप्ति और प्रदर्शनात्मक कार्गो सेवा के प्रचालन हेतु कुछ अन्य जलयानों के लिए भी विनिर्दिष्ट परियोजनाएं अभिज्ञात की गई थीं। राष्ट्रीय जलमार्गों के विकास के अलावा कार्य योजना में अ0 ज0 प0 के विकास इत्यादि के लिए अ0 ज0 प0 प्रोन्नयन, निनी, संयुक्त उद्यम द्वारा निजी क्षेत्र में निवेश, तकनीकी–आर्थिक अध्ययन, इमदाद स्कीम और केन्द्र प्रायोजित स्कीम जैसे अन्य परियोजनाएं भी शामिल हैं।

कार्य योजना मूल रूप से 751.18 करोड़ रु0 की कुल लागत पर तैयार किया गया था। वर्ष 2006–07 और 2007–08 के दौरान अधिकांश परियोजनाएं तैयार होकर संबंधित सक्षम प्राधिकारी द्वारा संस्वीकृत हो गई थी। हालांकि, परियोजनाओं का क्रियान्वयन मूल रूप से दी गई समय–सीमा के अनुरूप प्रगति नहीं कर सकी। यह मुख्य रूप से दो कारणों से हुआ जैसे : प्रक्रियात्मक आवश्यकता के कारण संबंधित सक्षम प्राधिकारियों द्वारा संस्वीकृति देने में विलंब और रा0 ज0 – 3 में जलयानों की अधिप्राप्ति और निकर्षण के लिए मुख्य रूप से भा0 अ0 ज0 प्रा0 द्वारा जारी अनेक टेंडरों को अपर्याप्त जबाव मिलने के कारण। इसलिए टेंडरों को कम जबाव मिलने के कारणों का विश्लेषण किया गया और यह महसूस किया गया कि

जलयानों के लिए निविदा के संबंध में यह हुआ कि देश के अधिकांश पोत कारखाना काफी आदेश मिलने के कारण पहले से ही संतृप्त था और वे इस स्थिति में नहीं थे कि जलयानों के और निर्माण हेतु अपना दर दे सकें। रा0 ज0 – 3 में भारी निकर्षण के लिए निविदा के संबंध में कम जबाव मिलने का कारण स्थानीय समस्याएं और उच्च दरें थी।

इससे लागत और समय–सीमा दोनों में कार्य योजना में सुधार करने की आवश्यकता हुई। यह संशोधन वर्ष 2007–08 के दौरान हुआ और यह अनुमानित किया गया कि कार्य योजना की विभिन्न परियोजनाएं मार्च, 2010 तक पूरी हो जाएगी। कार्य योजना की कुल लागत 961.64 करोड़ रु0 तक चला गया है। संशोधित लागत में रा0 ज0 – 3 के लिए 796.95 करोड़ रु0 और अन्य परियोजनाओं के लिए शेष 164.69 करोड़ रु0 शामिल हैं।

राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या – 1 के लिए कार्य योजना में कुल 32 परियोजनाओं (ड्रेजिंग, सर्वे इत्यादि सहित फेयरवे विकास के लिए 14, नौचालन संबंधी सहायताओं के लिए 3, टर्मिनलों के लिए 10, प्रदर्शनात्मक उद्देश्य से कार्गो जलयानों की अधिप्राप्ति हेतु 4 और जलयान मरम्मत सुविधा के लिए 1) पर विचार किया गया था। इनमें से, यथा दिनांक 31.03.2007 को, 26 परियोजनाएं संस्वीकृत थीं और शेष 6 संस्वीकृति की प्रक्रिया में थी। राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या – 2 के लिए कार्य योजना (ड्रेजिंग, सर्वे इत्यादि के लिए जलयानों सहित फेयरवे विकास हेतु 6, नौचालन संबंधी सहायताओं के लिए 2, टर्मिनलों के लिए 5, प्रदर्शन उद्देश्य के लिए कार्गो जलयानों की अधिप्राप्ति हेतु 2 और जलयान मरम्मत सुविधा के लिए 1) में कुल 16 परियोजनाएं परिकल्पित किए गए थे। इनमें से 13 परियोजनाएं संस्वीकृत थी

और शेष 3 संस्वीकृति की प्रक्रिया में थी। राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या – 3 के लिए कार्य योजना (ड्रेजिंग, सर्वे इत्यादि के लिए जलयानों सहित फेयरवे विकास हेतु 7, नौचालन संबंधी सहायताओं के लिए 2, टर्मिनलों के लिए 2 और प्रदर्शन उद्देश्य के लिए कार्गो जलयानों की अधिप्राप्ति हेतु 1) में कुल 12 परियोजनाएं परिकल्पित की गई थी। इनमें से 10 परियोजनाएं संस्वीकृत थी और शेष 2 संस्वीकृति की प्रक्रिया में थी। संस्वीकृत परियोजनाएं कार्यान्वयन की प्रक्रिया में है।